राज्यसभा/लोकसभा के पटल पर रखे जाने वाले कागजात

नई दिल्ली
दिनांक 16/12/15

प्राधिकृत
राज्यवर्धन
कर्नल राज्यवर्धन राठौर
(सेवानिवृत्त)
सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री
कर्नल राज्यवर्धन राठौड़
सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

वर्ष 2014 -15 के लिए राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम के कार्य पर सरकार द्वारा समीक्षा

1. राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. (एनएफडीसी) की स्थापना वर्ष 1975 में भारत सरकार द्वारा फिल्म उद्योग के एकीकृत एवं समन्वित विकास हेतु योजना बनाने, प्रोत्साहन देने एवं सुसंगठित करने के मुख्य उद्देश्य से की गई है। वर्ष 1980 में एनएफडीसी के साथ फिल्म वित्त निगम (एफएफसी) तथा भारतीय चलचित्र निर्यात निगम (आईएमपीईसी) के विलीनीकरण द्वारा एनएफडीसी की पुनर्रचना की गई। एनएफडीसी ने अब तक विभिन्न भारतीय भाषाओं में 300 से ज्यादा फिल्मों का निर्माण और वित्तपोषण किया है जिन्हें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा गया है।

2. एनएफडीसी का प्रमुख उद्देश्य भारतीय फिल्म उद्योग के एकीकृत एवं विकास हेतु योजना बनाना, प्रोत्साहन देना एवं सुसंगठित तथा एकीकृत एवं समन्वित विकास करना है। एक फिल्म विकास एजेंसी के रूप में, एनएफडीसी उन क्षेत्रों में फिल्म उद्योग के सुगमतम विकास के लिए उत्तरदायी है जहां निजी उद्यम व्यावसायिकता की वजह से आगे नही आ पाते। इस प्रकार, जैसे जैसे उद्योग विकसित तथा विस्तारित होता है और नई चुनौतियां तथा कमियां इस विकास के प्रत्येक चरण में उत्पन्न होती है, अतः एनएफडीसी के लिए जरूरी है कि वह शीघ्रातिशीघ्र उद्योग के प्रयासों के उन पूरक क्षेत्रों में कदम बढाए।

3. फिल्म निर्माण के क्षेत्र में, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की 12 वीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत निगम द्वारा "विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्म निर्माण" शीर्षक के अंतर्गत ऐसी फिल्मों का निर्माण/सहनिर्माण किया जाता है जो भारत के सिनेमा को प्रतिबिंबित करती हों। इस योजना के अंतर्गत, राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. फिल्म निर्माण के अपने मौजूदा

दिशा निर्देशों के अंतर्गत फिल्मों का निर्माण/सहनिर्माण करता है जिसके तहत वह नवोदित फिल्मकारों को फिल्म निर्माण कर रहे उनकी पहली फीचर फिल्म के लिए 100% वित्तपोषण द्वारा प्रोत्साहित करता है। अच्छी क्वालिटी की फिल्मों का सहनिर्माण भारतीय एवं विदेशी दोनों ही निजी निर्माताओं के साथ, साझेदारी में किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान, एनएफडीसी ने "फिग फ्रूट एंड वास्प्स", "अरुणोदय" तथा "चौरंगा" नामक तीन फिल्में निर्माण/पूरी की. एनएफडीसी ने रवींद्रनाथ टैगोर की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में "शेशर कोबीता" तथा " द लाइट हाऊस, द ओशियन एंड द सी" नामक दो फीचर फिल्म/लघु फिल्म भी पूरी की।

4. राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. ने 2014-15 में 'सिनेमाज ऑफ इंडिया' के अंतर्गत डीवीडी एवं वीसीडी फोर्मेट में 12 फिल्में सफलतापूर्वक रिलीज कीं। इस सूची में बहुप्रशंसित फिल्में जैसे सर रिचर्ड अटेनबरों द्वारा "गांधी", अनूप सिंह द्वारा "किस्सा – द टेल ऑफ अ लोनली घोस्ट" आदि शामिल है। फीचर फिल्मों के निर्माण के अलावा एनएफडीसी व्यावसायिक गतिविधियों के तौर पर भारत सरकार तथा विभिन्न राज्य सरकारों के ग्राहकों के लिए विज्ञापन, वृत्तचित्र, लघु चित्र, टीवी सीरीज, वेब विज्ञापन, रेडियो सीरीज और थीम आधारित संगीत गान आदि का निर्माण भी करता है।

5. राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि. द्वारा सह निर्मित तथा बिकास मिश्रा द्वारा निर्देशित फिल्म 'चौरंगा' ने इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ लॉस एन्जिलस, 2015 में सर्वश्रेष्ठ फिल्म (जूरी ग्रेंड प्राइज) का पुरस्कार जीता। इस फिल्म ने इनक्रेडिबल इंडिया अवार्ड – सर्वश्रेष्ठ सहनिर्माण प्रोजेक्ट, फिल्म बाज़ार भी जीता. पार्थो सेन गुप्ता द्वारा निर्देशित 'अरूणोदय' को इमेजिन एम्सरडेंम फैंटास्टिक फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का 'ब्लैक ट्यूलिप अवार्ड' प्रदान किया गया तथा यह फिल्म विभिन्न फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई। 'अट्टिहन्नू मट्टू कनाजा' (फिग, फ्रूट एंड वास्प्स) फिल्म ने मुम्बई फिल्म फेस्टिवल 2014, इंडिया गोल्ड प्रतियोगिता विभाग, बेंगलूरू अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह 2014, 5 वां बीजिंग अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह आदि में प्रतिभागिता की।

6. राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि.(एनएफडीसी) द्वारा आयोजित फिल्म बाज़ार एक ऐसा मंच है जो अंतराष्ट्रीय तथा दक्षिण एशियाई फिल्म बिरादरी के बीच सहनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए ही विशेष रूप से विकसित किया गया है। यह फिल्म बाजार दक्षिण एशियाई प्रतिभाओं एवं उनकी कृतियों को सामने लाने, प्रोत्साहित करने और प्रदर्शित करने के प्रति केंद्रित है। फिल्म बाज़ार दक्षिण एशिया की ग्लोबल फिल्म मार्केट के रूप में उभर कर आया है, जिसके प्रत्येक आवृत्ति में बढती हुई दक्षिण एशिया और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागिता इस बात की साक्षी है। वर्ष 2014 के फिल्म बाजार में कनाडा, दक्षिण कोरिया तथा पोलैंड जैसे समर्पित देशों सहित 38 देशों के 1042 प्रतिभागी थे।